अध्याय-16

वानिकी विस्तार

वानिकी विस्तार

विस्तार निदेशालय, भा.वा.अ.शि.प. के मीडिया प्रभाग के उत्तरदायित्व में भा.वा.अ.शि.प. और इसके संस्थानों द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों एवं अनुसंधान परिणामों का प्रसार; राज्य वन विभागों, गैर सरकारी संगठनों आदि में विस्तार सहायता उपलब्ध कराना : अन्य संगठनों के साथ सहयोग और विभिन्न उपभोक्ता समूहों के साथ सहानुबंध स्थापित करना है।

विस्तार सहायता निधि

रूपये 17.2 मिलियन की तेइस विस्तार परियोजनायें स्वीकृत की गई। अब तक रूपये 14.40 मिलियन की निधियां मुक्त की गई। जारी परियोजनाओं का निरीक्षण, भा.वा.अ.शि.प. मुख्यालय के मीडिया प्रभाग के चार संयुक्त निदेशकों एवं कर्मचारियों द्वारा किया गया। दस ई.एस.एफ परियोजनाएं पूरी की गई।

विभिन्न स्थलों और गोष्ठियों/कार्यशालाओं एवं सम्मेलनों में प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन

भा.वा.अ.शि.प. द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों के प्रदर्शन और गोष्ठियों तथा कार्यशालाओं के आयोजन करना आई.टी.डी. के मुख्य कार्य रहे हैं। वर्ष के दौरान परिषद् और इसके संस्थानों द्वारा निम्नांकित प्रदर्शनियों, गोष्ठियों, सम्मेलनों और कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

- वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून में सम्पन्न 25-27, नवम्बर, 1999 को पॉपलर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।
- नवम्बर, 1999 को उष्णकटिबंधीय, जैवउर्वरक और कीट विज्ञान पर जांच कार्यशालायें एवं पुनरीक्षण।
- नोबोड बोर्ड के अन्तर्गत 6-7 दिसम्बर, 1999 को उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर में सम्पन्न नीम के एकीकृत विकास पर राष्ट्रीय नेटवर्क कार्यक्रम पर कार्यशाला।
- वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान कोयम्बटूर (18-19 दिसम्बर, 99) में आयोजित वानिकी प्रौद्योगिकियों के हस्तान्तरण पर राष्ट्रीय कार्यशाला।
- दिसम्बर, 20-12, 2000 को कर्नाटक वन विभाग के सहयोग से काष्ठ विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी संस्थान, बंगलौर में आयोजित पारि-विकास पर राष्ट्रीय कार्यशाला।
- 5 दिसम्बर, 1999 को खानपुर (धारवाड़) में; 14 दिसम्बर, 1999 को हरोहल्ली (देववहल्ली) में; 28 दिसम्बर, 1999 को सोमवारपेट (कुर्ग) में; 30 मार्च 2000 को वेंकटागिरि और हरोहल्ली (देवनहल्ली) के किसानों के लिए काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्यागिकी संस्थान, बंगलौर में और आन्ध्र प्रदेश में 23 मार्च,

2000 को भीमावरम (चन्द्रागिरि मण्डल) में काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बंगलौर द्वारा काष्ठ विज्ञान प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन।

- इ.गा.रा. वन अकादमी के तहत 20-21 जनवरी 2000 को उष्णकटिबंधी वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर में सम्पन्न ''काष्ठ ऊर्जा'' पर क्षेत्रीय कार्यशाला।
- भा.वा.अ.शि.प.-फोर्ड फाउन्डेशन के अन्तर्गत 7-8 फरवरी, 2000 को उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर में सम्पन्न ''लोगों की सहभागिता द्वारा सतत वन प्रबन्ध'' पर राष्ट्रीय गोष्ठी।
- फरवरी, 21-23, 2000 को काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बंगलौर में आयोजित ''बांस परिरक्षण मैनुअल'' पर II इन्बार बैठक।
- वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून में सम्पन्न 11 मार्च, 2000 को शीशम पर कार्यशाला।
- 15-16 मार्च, 2000 को भारतीय वन प्रबन्ध संस्थान, भोपाल के सहयोग से काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बंगलौर में आयोजित ''समुदाय सहभागिता द्वारा सतत वन प्रबन्ध'' पर कार्यशाला।
- इस अवधि के दौरान आन्ध्र प्रदेश और तमिलनाडु, प्रत्येक राज्य के पांच गांवों में, मछुवारों के लिए उपचारित कैटामरैनों का प्रदर्शन।

प्रदर्शनी

वर्ष के दौरान निम्न प्रदर्शनी लगाई गई :

- 23-24 फरवरी, 2000 को जे.एन.के.वी.वी. जबलपुर में आयोजित किसान मेले में उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर द्वारा।
- 25-27 मार्च, 2000 को जबलपुर में आयोजित स्वरोजगार मेले में उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर द्वारा।
- बंगलौर में आयोजित विभिन्न कार्यशालाओं में काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा।
- व.अ.स., देहरादून द्वारा देहरादून में आयाजित छः प्रदर्शनियां/मेले।

विस्तार सामग्रियों का निर्माण

चलचित्र

वर्ष के दौरान छः चलचित्र तैयार किए गए जो इस प्रकार हैं: अकाष्ठ वन उत्पादन उपचारित कैटामरैन, कैज्वारिना का आर्थिक उपयोग, वर्षा जल संचयन, दाब स्थलों का वनीकरण और क्लोनीय गणन। वी.एच.एस. कैसेटों के रूप में इन चलचित्रों की प्रतियां बेचने के लिए रखी गई। शहरी वानिकी विषय पर एक

नए चलचित्र बनाने का काम शुरू किया गया। व्यापक स्तर पर श्रोताओं तक पहुंचाने के लिए विभिन्न टी.वी. चैनलों द्वारा इन फिल्मों के प्रसारण की व्यवस्था करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

किताबों, पुस्तिकाओं और बुलेटिनों का प्रकाशन

पुस्तकें

1. नीम-ए वन्डर ट्री
2. फारेस्ट्री रिसर्च इक्सटेंशन स्ट्रेटीजी
3. नेशलन डाटाबेस ऑन बैम्बू
4. वार्षिक रिपोर्ट 1997-98

पुस्तिकायें

1. टीक
2. आई.सी.एफ.आर.ई. ब्राशुअर
3. विभिन्न प्रजातियों के 25 ब्राशुअर्स, जिनके पुर्नमुद्रण के लिए पांडुलिपि तैयार की गई

बुलेटिन

1. आई.एफ.एल.आई.एन. न्यूजलेटर
2. इन्विस न्यूजलेटर
3. टिम्बर ट्रेड बुलेटिन न. 16
4. टिम्बर ट्रेड बुलेटिन न. 17
5. टिम्बर ट्रेड बुलेटिन न. 18
6. टिम्बर ट्रेड बुलेटिन न. 19
7. वन अनुसंधान पत्रिका वर्ष 5 सं. 1

अन्य प्रकाशन

1. यू.एन.डी. प्रोसीडिंग इन फॉरेस्ट्री रिसर्च इन कन्जर्वेशन ऑफ नेशलन फॉरेस्ट।
2. आई.सी.एफ.आर.ई. पब्लिकेशन कैटलॉग 1992-97
3. नेशलन फॉरेस्ट्री रिसर्च प्लान

राष्ट्रीय वन पुस्तकालय

राष्ट्रीय वन पुस्तकालय परिषद् के अनुसंधान, विस्तार और शिक्षण कार्यकलापों का एक अभिन्न अंग है। पुस्तकालय में 1,46,975 दस्तावेजों का संग्रह है।

पुस्तकालय अपने उपयोगकर्ताओं के लिए हर प्रकार की पुस्तकालय सेवाएं उपलब्ध करा रहा है, जैसे सन्दर्भ और रिफरल, ऋणद, रिप्रोग्राफी, वर्तमान जागरूकता, मशीन पठनीय ऑकड़ा आधार से सूचना की पुन: प्राप्ति आदि।

1999-2000 के दौरान राष्ट्रीय वन पुस्तकालय के मुख्य कार्यकलाप, पुराने भवन से अपने नए भवन में स्थानान्तरण और छोटे-छोटे संग्रहों को विकसित करके और मानक उपकरणों, यथा डी.बी. डेसीमल वर्गीकरण, विषय शीर्षो को एल.सी. सूची और प्रलेखों के प्रक्रमण के लिए केबी थीसॉरस, अपनाकर वैज्ञानिक रूपरेखा पर, अपना पूरी तरह से पुनर्गठन करना रहा है।

वर्ष के दौरान, रूपये 14,56,434/- लागत की 747 पुस्तकों की खरीद की गई और इसके अलावा 3628 पुस्तकें नि:शुल्क प्राप्त हुई। इस प्रकार 1999-2000 के दौरान कुल 4375 पुस्तकों को संग्रह में जोड़ा गया।

104 अन्तर्राष्ट्रीय और 70 भारतीय पत्रिकाएं मंगाई गई। इसके अलावा पुस्तकालय में 350 पत्रिकाएं नि:शुल्क प्राप्त हुई।

कम्प्यूटरीकृत अनुदर्शी खोज और वर्तमान जागरूकता कार्य के लिए पुस्तकालय ने रूपये 12,87,697/- की कुल लागत पर सी.डी. रोम प्रारूप पर कैब सी.डी., ट्री.सी.डी. वायोजाजिकल एबेस्ट्रैक्ट, एगरिस और इको-डिस्क क्रय किया।

वर्ष के दौरान 2101 पत्रिकाओं और पुस्तकों की जिल्दबंदी कराई गई।

पुस्तकालय ने बाहर पढ़ने के लिए दस्तावेजों के लेने हेतु एक नयी प्रणाली लागू करके परिचालन सेवा को आधुनिकीकृत भी किया। पुस्तकालय ने नये नियमों को भी अपनाया है जिसमें पुस्तकालय सुविधाओं का उपयोग करने और दस्तावेजों को ले जाने के लिए भी संघ, राज्य सरकारों, निजी क्षेत्र उपक्रमों के कार्यरत/सेवानिवृत्त अधिकारियों और पंजीकृत और सरकारी संगठनों को अनुमति दी गई। वर्ष के दौरान वाह्य पठन के लिए 9425 दस्तावेज निर्गत किए गए।

प्रलेख-पोषण एवं सूचना खंड

ग्रे साहित्य

राज्य परामार्शदाताओं से वानिकी ग्रे साहित्य पर 4397 प्रलेख प्राप्त हुए। इन प्रलेखों को सदस्यों को सौंपा गया। 400 अवर्गीकृत ग्रे साहित्य प्रलेखों को ओ.डी.सी. प्रणाली के अन्तर्गत वर्गीकृत